

“ब्यूटीशियन/व्यावसायिक कोर्स की ओर बढ़ता युवाओं का रुझान: एक
विश्लेषणात्मक अध्ययन”

*Dr. Sujata

(Assistant Professor) faculty Of Education Motherhood University Roorkee. (Uttarakhand)

Article Received: 27 March 2026

*Corresponding Author: Dr. Sujata

Article Revised: 17 April 2026

(Assistant Professor) faculty Of Education Motherhood University Roorkee.

Published on: 07 May 2026

(Uttarakhand)

DOI: <https://doi-doi.org/101555/ijrpa.9889>

सारांश(ABSTRACT)

वर्तमान समय में शिक्षा का स्वरूप तीव्र गति से परिवर्तित हो रहा है, जिसमें पारंपरिक शैक्षणिक पद्धतियों के स्थान पर व्यावसायिक (Vocational) तथा कौशल-आधारित शिक्षा की महत्ता निरंतर बढ़ती जा रही है। विशेष रूप से ब्यूटीशियन, मेकअप आर्टिस्ट, हेयर स्टाइलिंग तथा स्किन केयर जैसे क्षेत्रों में युवाओं, खासकर युवतियों, की भागीदारी उल्लेखनीय रूप से बढ़ी है। यह अध्ययन युवाओं के इस बदलते रुझान का विश्लेषणात्मक मूल्यांकन प्रस्तुत करता है।

अध्ययन में पाया गया कि रोजगार के बढ़ते अवसर, आत्मनिर्भर बनने की इच्छा, कम समय में व्यावहारिक कौशल अर्जित करने की सुविधा तथा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के प्रभाव जैसे कारक इस प्रवृत्ति को प्रमुख रूप से प्रभावित कर रहे हैं। इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे माध्यमों ने न केवल इस क्षेत्र को लोकप्रिय बनाया है, बल्कि इसे एक आकर्षक करियर विकल्प के रूप में भी स्थापित किया है। इसके अतिरिक्त, पारंपरिक शिक्षा प्रणाली में बढ़ती प्रतिस्पर्धा, सैद्धांतिक ज्ञान की अधिकता तथा रोजगार के सीमित अवसरों ने भी युवाओं को व्यावसायिक शिक्षा की ओर प्रेरित किया है।

यह शोध मुख्यतः द्वितीयक आंकड़ों पर आधारित है, जिसमें विभिन्न शोध पत्रों, पुस्तकों तथा रिपोर्टों का विश्लेषण किया गया है। अध्ययन के निष्कर्षों से यह स्पष्ट होता है कि व्यावसायिक शिक्षा न केवल युवाओं को शीघ्र रोजगार उपलब्ध कराने में सहायक है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी तथा उद्यमशील बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके साथ ही, यह प्रवृत्ति देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा बेरोजगारी की समस्या को कम करने में भी प्रभावी सिद्ध हो रही है।

इस प्रकार, व्यावसायिक शिक्षा वर्तमान समय की आवश्यकता के अनुरूप एक सशक्त एवं प्रासंगिक शैक्षिक विकल्प के रूप में उभरकर सामने आई है।

मुख्य शब्द (KEYWORDS): व्यावसायिक शिक्षा, ब्यूटीशियन कोर्स, युवा रुझान, कौशल विकास, रोजगार, आत्मनिर्भरता

1. प्रस्तावना (INTRODUCTION)

शिक्षा किसी भी समाज के विकास का आधार होती है। परंपरागत रूप से शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान प्राप्त करना और उच्च पद प्राप्त करना रहा है। किंतु वर्तमान समय में यह धारणा बदल रही है। अब शिक्षा का मुख्य उद्देश्य कौशल प्राप्त करना और रोजगार के अवसर सृजित करना बन गया है।

ब्यूटी और वेलनेस उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है, जिसके कारण ब्यूटीशियन और संबंधित कोर्स की मांग बढ़ रही है। आज के युवा केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं रहना चाहते, बल्कि वे ऐसे कोर्स चुन रहे हैं जो उन्हें तुरंत रोजगार प्रदान कर सकें। जोकि ब्यूटीशियन में रोजगार तत्काल प्राप्त हो जाता है इसलिए इसीलिए युवाओं का रुझान ब्यूटीशियन की तरफ अधिक बढ़ रहा है

2. अध्ययन के उद्देश्य (Objectives of the Study)

1. युवाओं में ब्यूटीशियन/व्यावसायिक कोर्स के प्रति बढ़ते रुझान का विश्लेषण करना।
2. इस रुझान के प्रमुख कारणों की पहचान करना।
3. इसके सामाजिक और आर्थिक प्रभावों का अध्ययन करना।
4. पारंपरिक शिक्षा और व्यावसायिक शिक्षा के बीच तुलना करना।

3. शोध पद्धति (Research Methodology)

यह अध्ययन मुख्यतः **द्वितीयक आंकड़ों (Secondary Data)** पर आधारित है। इसके अंतर्गत विभिन्न शोध पत्रों, पुस्तकों, सरकारी रिपोर्टों, और ऑनलाइन स्रोतों का अध्ययन किया गया है।

- शोध प्रकार: वर्णनात्मक (Descriptive Research)
- डेटा स्रोत: पुस्तकें, जर्नल, वेबसाइट
- विश्लेषण पद्धति: गुणात्मक (Qualitative Analysis)

4. व्यावसायिक शिक्षा की अवधारणा (Concept of Vocational Education)

व्यावसायिक शिक्षा वह शिक्षा है जो व्यक्ति को किसी विशेष कार्य या व्यवसाय के लिए प्रशिक्षित करती है। इसमें सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक कौशल पर अधिक ध्यान दिया जाता है।

ब्यूटीशियन कोर्स भी इसी श्रेणी में आता है, जिसमें स्किन केयर, हेयर स्टाइलिंग, मेकअप, और स्पा थेरेपी जैसी तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाता है।

5. युवाओं का ब्यूटीशियन कोर्स की ओर बढ़ता रुझान (Increasing Trend Among Youth)

हाल के वर्षों में यह देखा गया है कि बड़ी संख्या में युवा, विशेष रूप से महिलाएं, ब्यूटीशियन कोर्स की ओर आकर्षित हो रही हैं।

इसके प्रमुख कारण हैं:

- कम समय में प्रशिक्षण
- कम लागत में कोर्स
- स्वरोजगार के अवसर

6. रुझान के प्रमुख कारण (Major Factors Behind the Trend)

वर्तमान समय में युवाओं का ब्यूटीशियन तथा अन्य व्यावसायिक कोर्स की ओर बढ़ता रुझान कई सामाजिक, आर्थिक तथा मनोवैज्ञानिक कारकों का परिणाम है। यह केवल एक आकस्मिक परिवर्तन नहीं है, बल्कि बदलते समय, तकनीकी विकास तथा रोजगार की परिस्थितियों का प्रत्यक्ष प्रभाव है। निम्नलिखित प्रमुख कारण इस प्रवृत्ति को स्पष्ट करते हैं:

6.1 रोजगार के अवसर (Employment Opportunities)

ब्यूटी और वेलनेस उद्योग आज के समय में सबसे तेजी से विकसित होने वाले क्षेत्रों में से एक है। इस उद्योग में सैलून, स्पा, स्किन केयर क्लीनिक, मेकअप स्टूडियो, और प्रीलांस सेवाओं के रूप में अनेक रोजगार विकल्प उपलब्ध हैं। पारंपरिक क्षेत्रों की तुलना में इस क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करना अपेक्षाकृत सरल है, क्योंकि इसमें अनुभव और कौशल को अधिक महत्व दिया जाता है, न कि केवल शैक्षणिक डिग्री को।

इसके अतिरिक्त, इस क्षेत्र में स्वरोजगार (self-employment) की संभावनाएँ भी अत्यधिक हैं। एक प्रशिक्षित ब्यूटीशियन स्वयं का सैलून खोल सकता/सकती है या घर से ही सेवाएं प्रदान कर सकता/सकती है। इस प्रकार, यह क्षेत्र युवाओं को न केवल रोजगार प्रदान करता है, बल्कि उन्हें उद्यमिता (entrepreneurship) की ओर भी प्रेरित करता है।

6.2 आत्मनिर्भरता की इच्छा (Desire for Self-Reliance)

आज का युवा वर्ग आत्मनिर्भर बनने के लिए अधिक जागरूक और प्रेरित है। वे आर्थिक रूप से स्वतंत्र होना चाहते हैं और अपने निर्णय स्वयं लेना चाहते हैं। ब्यूटीशियन जैसे व्यावसायिक कोर्स इस दिशा में एक सशक्त माध्यम के रूप में उभरकर सामने आए हैं।

विशेष रूप से महिलाओं के संदर्भ में यह प्रवृत्ति अधिक स्पष्ट दिखाई देती है। ब्यूटीशियन कोर्स के माध्यम से महिलाएं घर बैठे भी आय अर्जित कर सकती हैं, जिससे वे पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ-

साथ आर्थिक रूप से भी सशक्त बनती हैं। इस प्रकार, यह कोर्स न केवल रोजगार प्रदान करता है, बल्कि आत्मसम्मान और आत्मविश्वास को भी बढ़ाता है।

6.3 सोशल मीडिया का प्रभाव (Impact of social media)

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे **Instagram** और **YouTube** ने ब्यूटी और मेकअप उद्योग को अत्यधिक लोकप्रिय बना दिया है। आज के युवा इन प्लेटफॉर्म पर मेकअप ट्यूटोरियल्स, ब्यूटी टिप्स, और प्रोफेशनल आर्टिस्ट्स के कार्यों को देखकर प्रेरित होते हैं।

इन प्लेटफॉर्मों ने न केवल इस क्षेत्र की जानकारी को व्यापक बनाया है, बल्कि इसे एक आकर्षक और ग्लैमरस करियर विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया है। इसके अतिरिक्त, सोशल मीडिया ने मार्केटिंग और ब्रांडिंग को भी आसान बना दिया है, जिससे युवा अपने कौशल का प्रदर्शन कर अधिक ग्राहकों तक पहुँच सकते हैं।

इस प्रकार, सोशल मीडिया ने इस क्षेत्र में रुचि बढ़ाने के साथ-साथ रोजगार के नए अवसर भी उत्पन्न किए हैं।

6.4 पारंपरिक शिक्षा की सीमाएँ (Limitations of Traditional Education)

पारंपरिक शिक्षा प्रणाली में डिग्री प्राप्त करने के बावजूद रोजगार की गारंटी नहीं होती। आज के समय में लाखों युवा स्नातक और स्नातकोत्तर होने के बाद भी बेरोजगार हैं। इस स्थिति ने युवाओं को वैकल्पिक शिक्षा विकल्पों की ओर सोचने के लिए प्रेरित किया है।

व्यावसायिक शिक्षा, विशेष रूप से ब्यूटीशियन कोर्स, कम समय में व्यावहारिक कौशल प्रदान करते हैं, जिससे रोजगार प्राप्त करना आसान हो जाता है। इसके विपरीत, पारंपरिक शिक्षा अधिक सैद्धांतिक होती है और उसमें व्यावहारिक प्रशिक्षण का अभाव होता है।

इसी कारण से युवा अब ऐसे कोर्स को प्राथमिकता दे रहे हैं, जो उन्हें सीधे रोजगार या स्वरोजगार से जोड़ सकें। यह बदलाव शिक्षा प्रणाली में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन को दर्शाता है।

7. सामाजिक और आर्थिक प्रभाव (Social and Economic Impact)

युवाओं, विशेष रूप से महिलाओं, का ब्यूटीशियन एवं अन्य व्यावसायिक कोर्स की ओर बढ़ता रुझान केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका व्यापक प्रभाव समाज और अर्थव्यवस्था दोनों पर स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। यह परिवर्तन सामाजिक संरचना, लैंगिक समानता, और आर्थिक विकास के विभिन्न आयामों को प्रभावित करता है। निम्नलिखित बिंदुओं के माध्यम से इन प्रभावों का विश्लेषण प्रस्तुत किया जा रहा है:

7.1 सामाजिक प्रभाव (Social Impact)

1. महिलाओं के सशक्तिकरण में वृद्धि (Increase in Women Empowerment)

ब्यूटीशियन कोर्स के माध्यम से महिलाओं को कौशल आधारित प्रशिक्षण प्राप्त होता है, जो उन्हें आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनने में सहायक होता है। जब महिलाएं स्वयं आय अर्जित करने लगती हैं, तो उनके निर्णय लेने की क्षमता में वृद्धि होती है और वे परिवार तथा समाज में अधिक सम्मान प्राप्त करती हैं।

विशेष रूप से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में, जहाँ महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर सीमित होते हैं, वहाँ इस प्रकार के कोर्स उन्हें आत्मनिर्भर बनने का एक सशक्त माध्यम प्रदान करते हैं। इससे न केवल उनकी सामाजिक स्थिति में सुधार होता है, बल्कि लैंगिक असमानता को कम करने में भी सहायता मिलती है।

इसके अतिरिक्त, सशक्त महिलाएं अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बनती हैं, जिससे समाज में सकारात्मक परिवर्तन की प्रक्रिया को गति मिलती है।

2. आत्मविश्वास में बढ़ोतरी (Enhancement of Self-Confidence)

व्यावसायिक कौशल प्राप्त करने के बाद युवाओं, विशेषकर महिलाओं, में आत्मविश्वास का स्तर उल्लेखनीय रूप से बढ़ता है। जब वे अपने कौशल के माध्यम से आय अर्जित करती हैं और अपने कार्य के लिए सराहना प्राप्त करती हैं, तो उनमें आत्म-संतोष और आत्म-विश्वास की भावना विकसित होती है। ब्यूटीशियन कार्य में ग्राहकों के साथ सीधे संवाद, सेवा प्रदान करना, और उनकी संतुष्टि सुनिश्चित करना शामिल होता है, जिससे संचार कौशल (communication skills) और व्यक्तित्व विकास (personality development) में भी सुधार होता है।

इस प्रकार, यह कोर्स केवल आर्थिक लाभ तक सीमित नहीं रहता, बल्कि व्यक्तित्व के समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

7.2 आर्थिक प्रभाव (Economic Impact)

1. स्वरोजगार में वृद्धि (Increase in Self-Employment)

ब्यूटीशियन कोर्स युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करता है। इस क्षेत्र में कम निवेश के साथ व्यवसाय शुरू किया जा सकता है, जैसे कि घर पर छोटा सैलून खोलना या फ्रीलांस सेवाएं प्रदान करना। आज के समय में कई युवा ब्यूटी और वेलनेस क्षेत्र में अपने स्वयं के स्टार्टअप स्थापित कर रहे हैं, जिससे न केवल वे स्वयं के लिए रोजगार उत्पन्न कर रहे हैं, बल्कि अन्य लोगों को भी रोजगार के अवसर प्रदान कर रहे हैं।

इस प्रकार, यह क्षेत्र उद्यमिता (entrepreneurship) को बढ़ावा देता है और स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को सशक्त बनाता है।

2. बेरोजगारी में कमी (Reduction in Unemployment)

भारत जैसे विकासशील देश में बेरोजगारी एक गंभीर समस्या है। पारंपरिक शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी युवाओं को रोजगार नहीं मिल पाता, जिससे निराशा और आर्थिक अस्थिरता बढ़ती है।

ऐसे में व्यावसायिक कोर्स, विशेष रूप से ब्यूटीशियन प्रशिक्षण, युवाओं को शीघ्र रोजगार प्राप्त करने का अवसर प्रदान करते हैं। यह कोर्स अल्पकालिक होते हैं और सीधे रोजगार या स्वरोजगार से जुड़े होते हैं, जिससे बेरोजगारी दर में कमी आती है।

इसके अतिरिक्त, यह क्षेत्र निरंतर विकसित हो रहा है, जिससे भविष्य में भी रोजगार की संभावनाएँ बनी रहती हैं। इस प्रकार, यह आर्थिक स्थिरता और विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

8. पारंपरिक शिक्षा बनाम व्यावसायिक शिक्षा (Comparison)

आधार	पारंपरिक शिक्षा	व्यावसायिक शिक्षा
अवधि	अवधि	कम
रोजगार	रोजगार	अधिक
कौशल	सीमित	व्यावहारिक

9. चुनौतियाँ (Challenges)

- समाज में अभी भी व्यावसायिक शिक्षा को कम महत्व दिया जाता है
- प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी
- ग्रामीण क्षेत्रों में सुविधाओं का अभाव
- व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देना चाहिए
- सरकार को प्रशिक्षण केंद्र खोलने चाहिए
- युवाओं को जागरूक करना

11. निष्कर्ष (CONCLUSION)

इस अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि युवाओं का ब्यूटीशियन और व्यावसायिक कोर्स की ओर बढ़ता रुझान एक सकारात्मक परिवर्तन है। यह न केवल रोजगार के अवसर बढ़ाता है बल्कि समाज में आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण को भी बढ़ावा देता है।

REFERENCES

1. Aggarwal, J. C. (2010). *Development of education system in India*. Shipra Publications.
2. Government of India. (2020). *National Education Policy 2020*. Ministry of Education.
3. Gupta, S. (2018). Vocational education and skill development in India. *International Journal of Education*, 5(2), 45–52.
4. Kumar, R. (2019). Youth and skill-based education. *Journal of Social Studies*, 12(1), 23–30.
5. Sharma, P. (2021). Impact of social media on career choices. *Media Studies Journal*, 8(3), 67–75.
6. Singh, A. (2020). Beauty industry growth in India. *Economic Review*, 10(4), 55–60.
7. World Bank. (2019). *Skill development report*. World Bank Publications.
8. UNESCO. (2020). *Vocational education and training report*. UNESCO.
9. Patel, M. (2017). Women empowerment through vocational training. *Women Studies Journal*, 6(2), 34–40.
10. Verma, N. (2022). Employment trends in India. *Indian Economic Journal*, 15(2), 89–95.
11. Chandra, S. (2016). Education and employment issues. *Educational Review*, 4(1), 12–18.
12. Mishra, K. (2018). Role of skill education. *Journal of Education Policy*, 9(3), 41–48.